विद्याभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा – षष्ठ **दिनांक -२० -०४ - २०२१**

विषय -हिन्दी **विषय शिक्षक -पंकज कुमार**

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों आज एकवचन के बारे में अध्ययन करेंगे ।

एकवचन

एकवचन की परिभाषा

जिस शब्द के कारण हमें किसी व्यक्ति , वस्तु , प्राणी , पदार्थ आदि के एक होने का पता चलता है उसे एकवचन कहते हैं।

संज्ञा के जिस रूप से एक व्यक्ति या एक वस्तु होने का ज्ञान हो, उसे एकवचन कहते है।

जैसे- लड़का , लडकी , गाय , सिपाही , बच्चा , कपड़ा , माता , पिता , माला , पुस्तक , स्त्री , टोपी , बन्दर , मोर , बेटी , घोडा , नदी , कमरा , घड़ी , घर , पर्वत , मैं , वह , यह , रुपया , बकरी , गाड़ी , माली , अध्यापक , केला , चिड़िया , संतरा , गमला , तोता , चूहा आदि।

एकवचन और बहुवचन के कुछ नियम

आदरणीय या सम्मानीय व्यक्तियों के लिए बहुवचन का भी प्रयोग होता है लेकिन एकवचन व्यक्तिवाचक संज्ञा को बहुवचन में ही प्रयोग कर दिया जाता है।

जैसे-

- शास्त्रीजी बहुत ही सरल स्वभाव के थे।
- गुरूजी आज नहीं आये।

एकवचन और बहुवचन का प्रयोग संबंध दर्शाने के लिए समान रूप से किया जाता है।

जैसे- नाना , मामी , ताई , ताऊ , नानी , मामा , चाचा , चाची , दादा , दादी आदि।

द्रव्य की सुचना देने वाली द्रव्यसूचक संज्ञाओं का प्रयोग केवल एकवचन में ही होता है।

जैसे- तेल , घी , पानी , दूध , दही , लस्सी , रायता आदि।

वचन के कुछ शब्दों का प्रयोग हमेशा ही बहुवचन में किया जाता है।

जैसे- दाम , दर्शन , प्राण , आँसू , लोग , अक्षत , होश , समाचार , हस्ताक्षर , दर्शक , भाग्य केश , रोम , अश्रु , आशिर्वाद आदि।

वचन में पुल्लिंग के ईकारांत , उकारांत और ऊकारांत शब्दों का प्रयोग दोनों वचनों में समान रूप से किया जाता है।

जैसे- एक मुनि , दस मुनि , एक डाकू , दस डाकू , एक आदमी , दस आदमी आदि।

कभी कभी कुछ लोग बडप्पन दिखाने के लिए वह और मैं की जगह पर वे और हम का प्रयोग करते हैं।

जैसे- जब गुरूजी घर आये तो वे बहुत खुश थे।

कभी कभी अच्छा व्यवहार करने के लिए तुम की जगह पर आप का प्रयोग किया जाता है।

जैसे- आप कहाँ पर गये थे।

धातुओं की जाति बताने वाली संज्ञाओं का प्रयोग एकवचन में ही होता है।

जैसे- सोना , चाँदी , धन आदि।

गुण वाचक और भाववाचक दोनों संज्ञाओं का प्रयोग एकवचन और बहुवचन दोनों में ही किया जाता है।

जैसे-

- मैं उनके धोके से ग्रस्त हूँ।
- इन दवाईयों की अनेक खूबियाँ हैं।

सिर्फ एकवचन में हर , प्रत्येक और हर एक का प्रयोग होता है।

जैसे-

- हर एक कुआँ का पानी मीठा नही होता।
- प्रत्येक व्यक्ति यही कहेगा।

समूहवाचक संज्ञा का प्रयोग केवल एकवचन में ही किया जाता है।

जैसे-

- इस देश की बहुसंख्यक जनता अनपढ़ है।
- लंगूरों की एक टोली ने बहुत उत्पात मचा रखा है।